491 482

भारतीय गैर न्यायिक

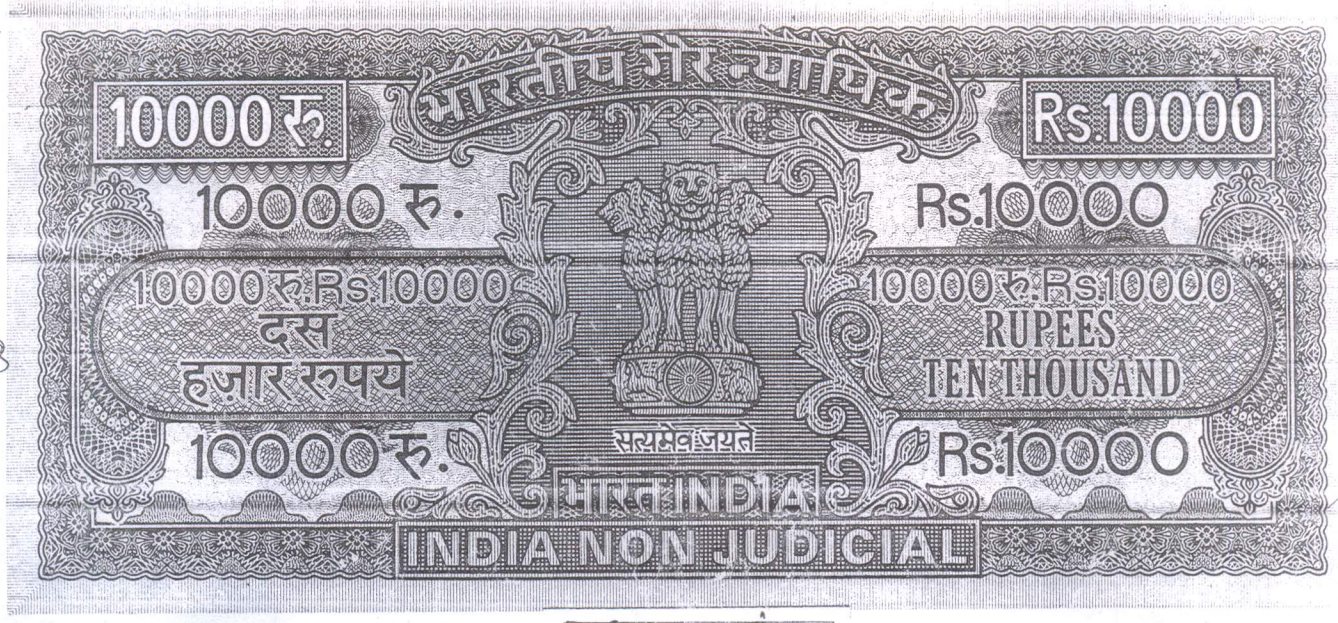

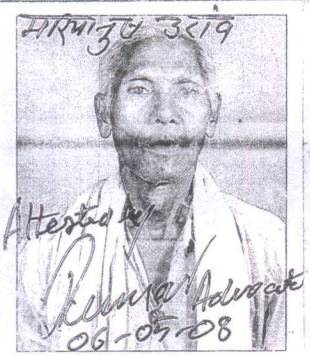

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000

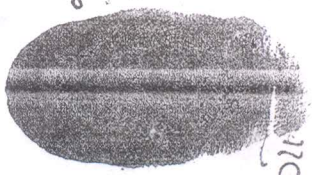

10000 रु. Rs.10000
दस
हज़ार रुपये

10000 रु. Rs.10000
RUPEES
TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

10000 रु. Rs.10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

(4)

6.5.08

04AA 000183/CS

[redacted]
4.6 I Pro.
[redacted]
23-I 'A' with the Permission
By D.C.L.R. Simdega vide
Case No 113/07-08
dt. 04.4.2008
[redacted]/08

M. Soreng
6.5.08

मरियानुस उरांव
6.5.08

१।१ लेख्यकारी:- श्री मरियानुस उरांव पिता स्व० अलविस उरांव जाति- उरांव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- गोतरा ठाकुरटोली थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा ।

... विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या:- 284-1/2008

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु.   Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये   ONE THOUSAND RUPEES

{2} लेख्यधारिणीः- श्रीमती मगरीता टोप्पो पति श्री इग्नासियुस टोप्पो, जाति- उराँव, पेशा- खेतीबारी, निवास ग्राम- सनसेवंइ {टेनाटोली}, थाना- सिमडेगा, जिला- सिमडेगा।

.. भारतीय नागरिक .. क्रेतिका।

शपथ-पत्र संख्याः- 285/2008

{3} लेख्यप्रकारः- विक्रय पत्र केवाला वैना कलामी पुत्र पुत्रादिक सदा सर्वदा के लिए होता है।

{4} मूल्यः- मोबलिग तीन लाख बीस हजार रुपये अंके 3,20,000/- रुपये होता है।

{5} सम्पतिः- एराजियात अन्दर मौजा- गोतरा ठाकुरटोली थाना- सिमडेगा, थाना नं0 80, सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला- सिमडेगा के खाता नं0 262 {दो सौ बासठ} प्लॉट नं0 4975 {उनचास सौ पचहत्तर} रकबा 0.91 एकड़ में से 0.20 एकड़ {बीस डिसमिल} आवासीय जमीन।

जिसकी चौहद्दीः-

उत्तरः- टांड़ इसी प्लॉट का अंश नीज विक्रेता

दक्षिणः- टांड़ इसी प्लॉट का अंश नीज विक्रेता

पूरब :- टांड़ इसी प्लॉट का अंश नीज विक्रेता

पश्चिमः- टांड़ प्लॉट नं0 4966 वो 4967,

6.5.08

ग्राम गोतरा ठाकुरटोली, जिला सिमडेगा

06.05.08

1000R

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

§1§ चूँकि मुझ लेख्यकारी को बिमारी का इलाज एवं मकान बनाने के लिए रूपयों की जरूरत पड़ी जिसकी व्यवस्था जमीन बेचे बगैर सम्भव न हुई और तब मैंने लेख्यधारिणी से मेरी जमीन खरीदने की प्रार्थना की जिसे उन्होंने खरीदना एवं रूपये देना स्वीकार किया ।

§2§ इसलिए मैंने अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रहकर उपर खाना संख्या पाँच में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारिणी के हाथ नगद कीमत चुकता पाकर बेचा और बेची गई जमीन का कुल हक दखल वो अधिकार उक्त लेख्यधारिणी वो उनके उत्तराधिकारियों के हाथ सदा दिन के लिए हस्तान्तरित कर दिया । अब से बेची गई जमीन पर न मेरा कोई हक सरोकार रहा और न मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का कोई हक सरोकार रहा और न आइन्दा रहेगा ।

§3§ मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि विक्रीत वर्णित जमीन खतियानी है । खतियान में मेरे दादा पाण्डु उराँव वगैरह के नाम से नाप दर्ज है । मालगुजारी रसीद सोमरा उराँव वगैरह के नाम से कटता है । मेरे दादा एवं पिताजी की मृत्यु हो चुकी है । उनकी मृत्यु के बाद जमीन का आपसी मौखिक भैयादी बँटवारा हो चुका है । जो जमीन मैं बेच रहा हूँ मेरे नीज हिस्से की जमीन है जिसपर मेरा निर्विवाद हक दखल वो कब्जा है और किसी प्रकार का वाद या झगड़ा झंझट नहीं है ।

-4-

(4) चूँकि हम उभय पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित सदस्य हैं अतः जमीन खरीद बिक्री हेतु अनुमति के लिए श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत आवेदन दिया । जिसका वाद संख्या 113/07-08 है जिसकी स्वीकृति दिनांक 4. 4. 08 को प्राप्त हुई जिसका मेमो नं0 401 (ii) दिनांक 04. 04. 2008 है ।

(5) अब चाहिए कि लेख्यधारिणी अपनी जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर अपना जैसा फायदा का समझें अपने उपयोग में लावें वो झारखण्ड सरकार वजरिये अंचल अधिकारी, सिमडेगा के कार्यालय से अपने नाम पर दाखिल खारिज कराकर तारीख लेख्य से व अदाय मालगुजारी के रसीद खास नाम से हासिल किया करें ।

(6) इसलिए यह विक्रय पत्र केवाला बैला कलामी सदा दिन के लिए लिख दिया कि प्रमाण रहे वो वक्त जरूरत पर काम आवे ।

-5-

मैं लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि विक्रीत जमीन वो बवत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है।

ह०/- मरियानुस उरांव
द०: क लोबिन तुगुन ता० 6.5.08

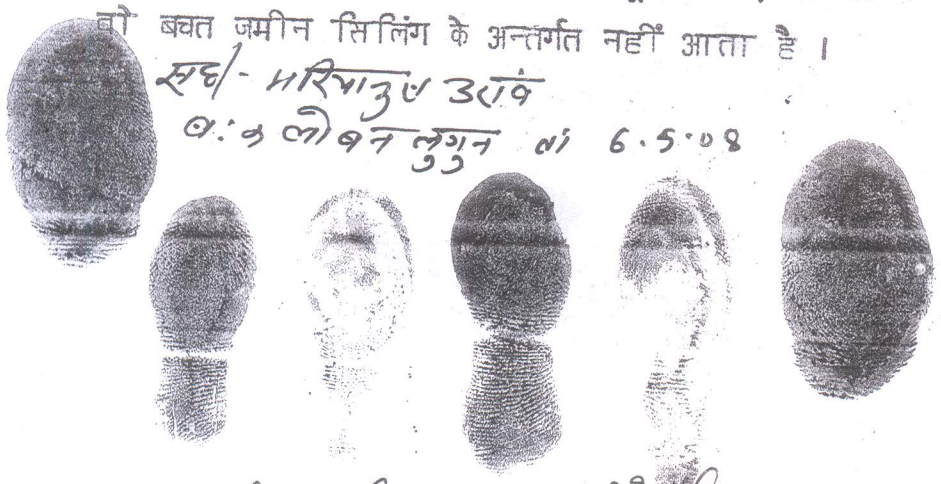

ह०- मरियानुस उरांव
द०: क लोबिन तुगुन
ता 6.5.08

प्रमाणित किया जाता है कि मरियानुस उरांव अपने बाँये हाथ का पाँचो उँगलियो का छाप मेरे समक्ष दिया

Balant Kumar
Advocate
06-05-08

100Rs.

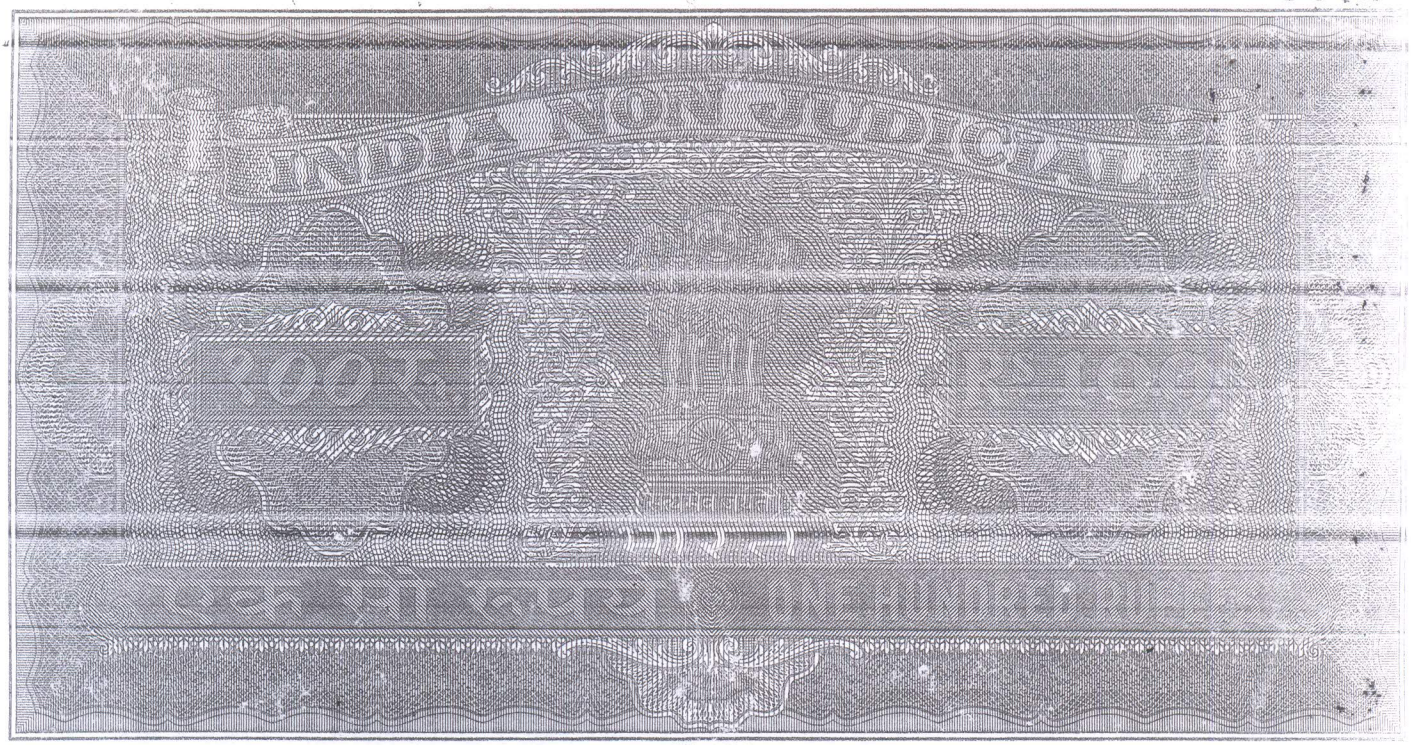

INDIA NON JUDICIAL

मैं लेखयधारिणी यह घोषणा करती हूँ कि पूर्व में धारित जमीन वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - मगरीता टोप्पो
06.05.08

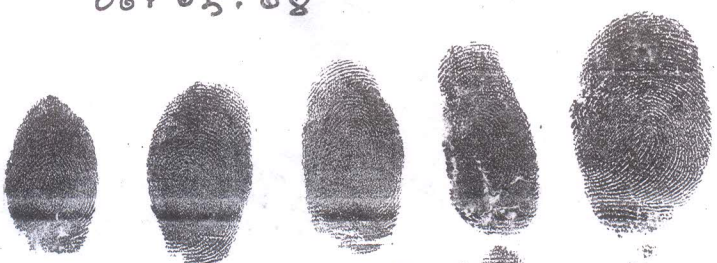

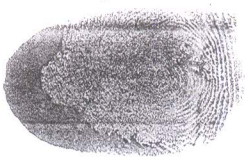

सही/- मसिउर उरांव
[illegible]
ता० 6.5.08

प्रमाणित किया जाता है कि मगरीता टोप्पो अपने बाँये हाथ की पाँचो उँगलियों का छाप मेरे समक्ष दिया।

Basant Kumar
Advocate, Simdega
06-05-08

उभय पक्षों के कहे अनुसार इस विक्रय पत्र दस्तावेज का प्रारूप तैयार किया एवं उनको गवाहों के समक्ष पढ़कर सुना वो समझा दिया जिसे उन्होंने स्वीकार किया ।

सही/- Basant Kumar
Advocate
Simdega

(प्रारूपकर्त्ता)

तारीखः- 06-05-08

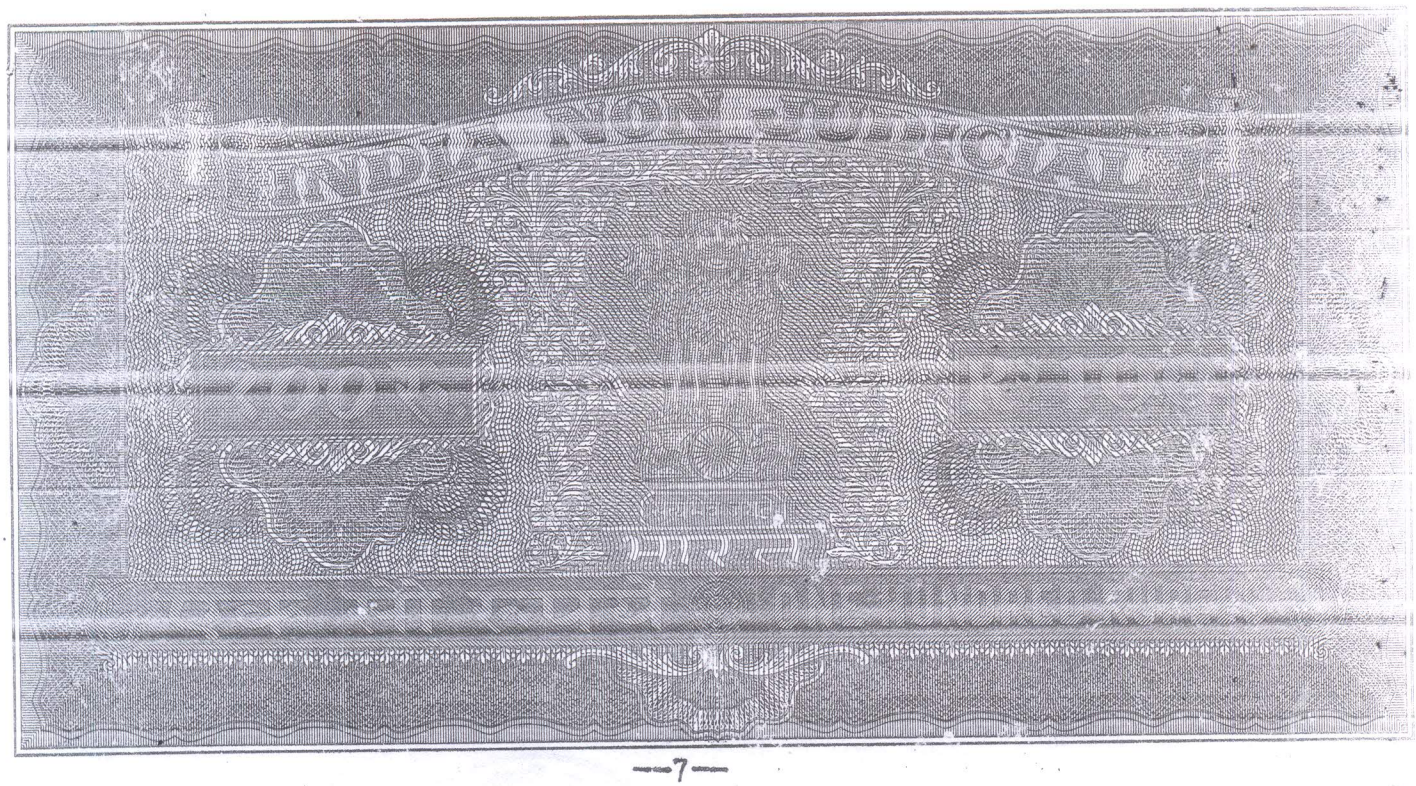

100 Rs.

प्रमाणित किया जाता है कि इस विक्रय पत्र दस्तावेज के कुल सात पृष्ठों में कुल 586 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

सही/-   ह0- मरियानुस उरांव
पि: स्व0 लोबन कुजुर
ता 6.5.08

टंकक
मो0 मकसुद
6.5.2008

मो0 मकसुद
कचहरी परिसर,
सिमडेगा ।